

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 25 नवम्बर, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट के अनुदान संख्या-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किया जाना ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है प्रमुख सचिव वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आयोजनागत पक्ष में ₹0 10,00,000.00 (₹0 दस लाख मात्र) की समस्त धनराशि आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्ता के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये। उक्त धनराशि केवल लम्बित देनदारियों/सृजित हो चुकी देनदारियों के भुगतान पर व्यय की जायेगी।
2. धनराशि जिस मद के लिए स्वीकृत की जा रही है। उसी मद में व्यय की जाएं। एक मद से दूसरी मद में धनराशि का स्थानान्तरण शासन की अनुमति के बिना कदापि न किया जायें। उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-611/XXVIII(1)/2009-13/2004TC-I दिनांक 10.08.2009 में उल्लिखित दिशा निर्देशों के अनुरूप की जाये।





3. किसी भी व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्त नियमावली 2008 तथा वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
4. यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता अतिआवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। फर्नीचर/उपकरण/मशीन आदि का क्रय पूर्व अनुपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए यथा आवश्यकता ही क्रय किया जाय।
5. जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये। बजट नियंत्रक अधिकारी बी0एम0-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा जिस अधिकारी का नमूनाहस्ताक्षर समस्त कोषाधिकारियों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियों पूर्व निर्गत शासनादेश के क्रम में जारी किया जाये अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
6. व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कराया जायेगा कि योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत यथाप्रभावी दिशा निर्देशों एवं मानकों की कड़ाई से अनुपालन कर ली गई हो।
7. यह प्रत्येक स्थिति में सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में पूर्व में कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की गयी हो और न ही भुगतान हुआ हो।
8. भुगतान प्रत्येक स्थिति में प्रवेशित अभ्यार्थी/संस्थान को अनुमन्य धनराशि के अनुरूप नियमानुसार किया जाय।
9. उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-03-शिक्षा-0302-स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु सहायता-20-सहायता अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

*नीति*



10. यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्ध शासकीय संख्या-542(P)/XXVIII(3)/2008 दिनांक 19.11.2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)  
सचिव।

सं०- १११ /XXVIII(1)/2009/19 / 2005 TC-III तद दिनांक  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
- 2-आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3-जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।
- 4-निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5-वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 6-प्राचार्य, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल।
- 7- वित्त नियंत्रक, वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान, श्रीनगर गढ़वाल।
- 8- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 9- कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 10-बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 11-वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
- 12-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

मायावती

(मायावती ठकुरियाल)  
उप सचिव।